Nai Dunia (Indore), 02nd February 2024, Nai Dunia City, Page – I

संस्कृत में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को आइआइटी में किया पुरस्कृत

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के सहयोग से शुरू किया कोर्स

संस्कृत पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली सायली विखरणकर को स्वर्णपदक से पुरस्कृत करते आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी। ●सौ. संस्थान

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर और केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली के सहयोग से संस्थान में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा केंद्र का संस्कृत भाषा में पाठ्यक्रम शुरू किया गया था। इस पाठ्यक्रम को पूरा करने वाले विद्यार्थियों को संस्थान में स्वर्ण पदक और प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

इस पाठ्यक्रम के तहत 54 विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया था। इसमें सभी विद्यार्थियों ने अच्छे अंकों के साथ परीक्षा उत्तीर्ण की। साथ ही परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली सायली विखरणकर को आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने स्वर्ण पदक से पुरस्कृत किया। इस स्वर्ण पदक को संस्थान के सह प्राध्यापक डा. विनोद कुमार ने अपनी पितामही स्वर्गीय कुसमा देवी की स्मृति में प्रदान किया है। इस अवसर पर संस्थान के भारतीय वैज्ञानिक ज्ञान परंपरा केंद्र के प्रभारी प्राध्यापक और संस्कृत पाठ्यक्रम के केंद्राधिकारी डा. सूर्यनारायण मूर्ति ने संस्कृत के साथ विज्ञान के संबंध के बारे में जानकारी दी। साथ ही डा. विनोद कुमार और डा. ईश्वर प्रसाद कोरिमिलि ने भौतिकी, धातुकर्म में संस्कृत का उपयोग कैसे करें आदि के बारे में चर्चा की। इस अवसर पर अनौपचारिक केंद्र के शिक्षक अमरेश अधिकारी ने कहा कि संस्कृत भाषा सरल और सुमधुर है और इसे सभी वर्ग के लोग सीख सकते हैं।

54 विद्यार्थी हुए थे शामिल

आइआइटी में संस्कृत शिक्षा के पाठ्यक्रम में 54 विद्यार्थियों ने भाग लिया था। इसमें सभी विद्यार्थियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया।